गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे

गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,
भोला मुखड़ा नजर ना आवे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,

साग सरो दा रोटी मक्की दी बनाई मैं,
घूम घूम देख आई सारी ही तलहाइ मैं,
कोई लभ मेरे श्याम नु ले आवे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,
गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली

यमुना ते देख आई ओथे भी न लभेया,
बरसाना घूम आई ओथे भी न लभेया,
माता यशोदा न दा दिल गबरावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,
गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,

आखदे ने लोकि ओह ता वृंदावन आया ,
सरिया ही सखिया ने घेरा ओहनू पाया सी,
श्याम वृन्दावन विच रसा पावे,मैं रोटी लेके श्याम दी चली,
गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,

भगत तैनू लभ लभ थकया,
मेरा श्याम वृंदावन विच वसेया,
माता यशोदा अवाजा पई मारे मैं रोटी लेके श्याम दी चली,
गाऊआ चारदा श्याम मिल जावे मैं रोटी लेके श्याम दी चली

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22767/title/gauaan-chaarda-shyam-mil-jaave

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |